Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVS-101

वास्तुशास्त्र का परिचय व स्वरूप

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. वास्तुशास्त्र का परिचय देते हुए उसकी मूल अवधारणा को स्पष्ट कीजिये।

P.T.O.

Q.2. वास्तुशास्त्र के प्रवर्त्तकों का नाम लिखते हुए आचार्य परम्परा का उल्लेख कीजिये।

Q.3. मयमत के अनुसार दिक्साधन विधि बतलाइये।

Q.4. भारतीय वास्तुशास्त्र के वर्तमान स्वरूप पर प्रकाश डालिये।

Q.5. वर्णानुसार भूमि का चयन क्यों उपयुक्त है? स्पष्ट कीजिये। भूखण्ड संस्कार की आवश्यकता पर प्रकाश डालें।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. पृथ्वी पर प्रथम भवन निर्माण की संक्षिप्त कथा लिखिये।

Q.2. वास्तुशास्त्र के उद्रम और विकास का विवेचन कीजिये।

Q.3. ज्योतिष और वास्तु का अन्तः सम्बन्ध पर प्रकाश डालिये।

Q.4. वास्तु की दृष्टि से पंचमहाभूतों का वर्णन कीजिये।

Q.5. सूर्यसिद्धान्तोक्त दिक्साधन का लेखन कीजिये।

Q.6. काकिणी विचार कैसे किया जाता है? स्पष्ट कीजिये।

Q.7. नवविधकालमान से क्या तात्पर्य है?

Q.8. व्यावसायिक वास्तु पर टिप्पणी लिखिये।

****